क्लारा हेल

ज़रूरतमंदों की माँ

क्लारा हेल - ड्रग एडिक्ट शिशुओं के साथ काम के लिए विख्यात हैं. यहाँ वो कुछ बच्चों के साथ अपना 83 वां जन्मदिन ख़ुशी-ख़ुशी मना रही हैं.

मदर हेल

पहली नज़र में, बच्चों के खेल का वो कमरा किसी सामान्य डे-केयर सेंटर जैसा दिखता है. बारह छोटे-छोटे बच्चे कमरे में अपने कोट और स्वेटर खोजते हैं. वे बाहर जाने को तैयारी हैं और ख़ुशी से भागते हैं. एक छोटी काली औरत दरवाजे पर धैर्य से खड़ी है. वह मुस्कुराती है क्योंकि बच्चे उसका ध्यान आकर्षित करने के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं.

"मुझे देखो मम्मी हेल," एक तीन साल का लड़का चिल्लाता है. "मैं माइकल जैक्सन हूँ!"

"देखो मैंने क्या बनाया है, मम्मी!" एक लड़की कहती है. वो बड़े गर्व से बड़े करीने से बनाई अपनी ड्राइंग दिखाती है.

सतह पर सब ठीक और सामान्य लगता है. लेकिन ये बच्चे सामान्य नहीं हैं. वे ड्रग-एडिक्टस के बच्चे हैं. प्रत्येक बच्चे को ड्रग्स की लत लगी है.

क्लारा हेल इन बच्चों की "मम्मी" हैं. वो न्यूयॉर्क के हेल-हाउस के संस्थापक हैं. वो बाल नशा करने वालों का एक अस्थायी घर है. यह संयुक्त राज्य में अपनी तरह का एकमात्र स्थान है.

अस्पताल का स्टाफ, पुलिस अधिकारी, और हताश माताएँ जिनके पास और कहीं जाने को नहीं है, वे अपने बच्चों को मदर हेल के पास लाते हैं.

बच्चों की आयु दो सप्ताह से तीन वर्ष तक होती है. अधिकांश बच्चे हेल-हाउस में 18 महीने तक रहते हैं. फिर उन्हें पालक-घरों में रखा जाता है या उन्हें उनकी प्राकृतिक माताओं को लौटा दिया जाता है.

हेल का मिशन इन बच्चों को ड्रग्स के खौफ और दर्द से उबारना है. हेल उन्हें एक खुशहाल, स्वस्थ और समृद्ध जीवन शुरू करने में मदद करती है.

प्रेम की नींव

क्लारा हेल का जन्म और पालन-पोषण फिलाडेल्फिया, पेंसिल्वेनिया में हुआ. वो चार बच्चों में सबसे छोटी थीं. बचपन में ही उनके पिता की मृत्यु हो गई. उनकी माँ ने पका खाना बेंचकर और अपने घर का एक हिस्सा किराए पर देकर परिवार का लालन-पालन किया. "मेरी माँ ने मुझे लोगों से प्यार करना सिखाया," हेल ने कहा. "उन्होंने मुझे जो कुछ भी दिया, वही मेरे काम की नींव है." हाई स्कूल ख़त्म करने के बाद, हेल ने थॉमस हेल से शादी की और फिर वो न्यूयॉर्क आईं. वहां, उनके पति ने फर्श-वैक्सिंग का व्यवसाय शुरू किया. "उन्होंने पर्याप्त पैसा नहीं बनाया," हेल ने याद किया. "इसलिए मैंने रात में घरेलू काम किए और सिनेमाघरों की सफाई की."

उसके बाद क्लारा हेल का पांच कमरों वाला अपार्टमेंट कई बच्चों के लिए एक पालक-घर बन गया.

27 साल की उम्र में हेल के दो बच्चे थे - लोरेन और नाथन. लेकिन उसके बाद हेल के पति की कैंसर से मृत्यु हो गई. वो बिना कुछ धन छोड़े हेल को छोड़ कर चले गए.

"मैं अपने बच्चों को छोड़ना नहीं चाहती थी," हेल ने कहा, "इसलिए मैंने दिन के दौरान अन्य लोगों के बच्चों की देखभाल का काम शुरू किया. इसके लिए उनके माता-पिता मुझे कुछ पैसे देते थे. मैंने बहुत पैसे तो नहीं बनाये, पर मैं भूखी भी नहीं रही. हाँ, बच्चों को यह जगह बहुत पसंद आई, क्योंकि एक बार आने के बाद, वे घर नहीं जाना चाहते थे. फिर दिन में देखभाल के रूप में शुरू हुआ काम पूरे हफ्ते चलता रहता. सप्ताह के अंत में ही बच्चों के माता-पिता उनसे मिलने आते."

क्लारा हेल ने अचानक पाया कि वह बच्चों की दत्तक (foster) पालक बन गई थीं. जिन लोगों के परिवार में समस्याएँ थीं, वे अपने बच्चों को कुछ समय के लिए हेल के साथ रहने के लिए छोड़ जाते थे. फिर अगले 30 वर्षों तक, 146 स्ट्रीट पर हेल का पांच कमरों का अपार्टमेंट एक बार में सात से आठ पालक बच्चों का घर बना.

हेल ने कहा, "मेरी बेटी कहती है कि जब वो 16 साल की थी तब पहली बार उसे एहसास हुआ कि वे सभी बच्चे उसके सगे भाई-बहन नहीं थे. सभी बच्चे मुझे 'मम्मी' कहकर बुलाते थे. मैंने चालीस से ज़्यादा बच्चों की देखभाल की. अब वे बड़े हो गए हैं. वे डॉक्टर, वकील, सभी पेशों में हैं. लगभग सभी मेरे संपर्क में रहते हैं. अब मेरी 60 पोते-पोतियां भी हैं."

अब हेल एक दत्तक पालक के रूप में सेवानिवृत्त होने के लिए तैयार थी. "जब मैं 65 वर्ष की हुई," उन्होंने याद करते हुए कहा, "तब मैंने बच्चों की देखभाल का काम बंद करने का फैसला किया. कीमतें बहुत अधिक बढ़ गयीं थीं, और इतने सालों से वही काम करते-करते मैं थक भी गई थी."

बेबी ड्रग-एडिक्ट्स की देखभाल हेल के दिमाग में कभी नहीं थी. "लेकिन एक दिन," उन्होंने कहा, "मेरी बेटी ने सड़क पर एक एक महिला को अपनी बाहों में एक बच्चे के साथ देखा. महिला नशे में धुत्त थी और बच्चा उसकी गोद से गिरने ही वाला था. मेरी बेटी उसकी मदद के लिए आगे आई. बेटी ने उस महिला को मेरे बारे में बताया. अगले दिन, वो महिला अपने बच्चे के साथ मेरे दरवाजे पर आ पहुंची. हमने बच्चे को लेने का फैसला किया. वो केवल दो महीने का था. उस महिला ने मेरे बारे में अपने दोस्तों को भी बताया. फिर दो महीने के भीतर, हम 22 बच्चों की देखभाल कर रहे थे."

जब महिला गर्भवती होती है, तो वह जो कुछ भी खाती-पीती है उसका बच्चे पर सीधा प्रभाव पड़ता है. यदि एक गर्भवती महिला ड्रग्स लेती है, तो ड्रग्स माँ के रक्तप्रवाह से बच्चे के खून में प्रवाहित होती है. नतीजतन, अजन्मे बच्चे को भी माँ के नशे की लत लग जाती है. जब बच्चा पैदा होता है, तो उसमें भी ड्रग-एडिक्ट के सभी लक्षण दिखाई देते हैं.

हेल-हाउस के अध्यक्ष और क्लारा हेल की बेटी डॉ. लोरेन हेल, चार साल के एक बच्चे का हाथ चूमती हैं जबकि उसकी मां देखती है.

"जब वे पहली बार मेरे पास आए," उन्होंने कहा, "उससे पहले मैंने कभी किसी बच्चे में नशे की लत नहीं देखी थी. ऐसे बच्चे खुदको खरोंचते हैं और व्यस्क नशा करने वाले की तरह ही अपना सिर हिलाते रहते हैं. वे सभी प्रकार के चेहरे बनाते हैं. देखने में वे दयनीय लगते हैं. मुझे पता था कि अगर हम उन्हें नहीं लेते तो वे भी बड़े होकर ड्रग-एडिक्ट बन जाते. उन्हें ठीक करने के लिए जो कुछ भी हम कर सकते हैं, उसे हमें उनकी छोटी उम्र में करना होगा. मैं सिर्फ उन्हें प्यार और भरपूर खाना देती हूं. मैं उन्हें गीत सुनाती हूं, और उनके साथ-साथ फर्श पर चलती हूँ. फिर एक महीने में उनके नशे का दौर ख़त्म हो जाता है और वे सामान्य हो जाते हैं."

"मुझे बच्चों से बेहद प्यार है," हेल ने जोड़ा. "मुझे लगता है कि सभी बच्चे किसी विशेष गुण के साथ पैदा होते हैं. और आप उनके गुण को बाहर ला पाएं फिर वे अच्छे इंसान बन सकते हैं. लेकिन उन्हें सही शुरुआत की ज़रूरत है. उन्हें ढेर सारे प्यार की भी ज़रूरत होती है."

इस काम के लिए हेल को अपने ही बच्चों से वित्तीय सहायता मिली. उसके बच्चे अब अच्छे पदों पर थे. लोरेन ने बाल विकास में पीएचडी की थी. नाथन एक सार्वजनिक लेखाकार - चार्टर्ड अकाउंटेंट था, और केनेथ, उसके दत्तक पुत्र, ने शिक्षा के क्षेत्र में डॉक्टरेट प्राप्त की थी. उनकी मदद से, हेल ने डेढ़ साल तक अपने अपार्टमेंट में ड्रग-एडिक्ट्स के बच्चों की देखभाल की.

हेल ने समझाया, "शहर के लोगों ने पहली बार मेरे बारे में सुना - कि एक पागल महिला ड्रग-एडिक्ट्स के बच्चों की देखभाल कर रही है और वो उनसे कोई फीस भी नहीं लेती है." उन्होंने कहा, "वे ड्रग-एडिक्ट्स थे, उनके पास मुझे देने के लिए कुछ भी नहीं था."

"यह खबर सुनने के बाद शहर के लोगों ने हमें तुरंत पैसा दिया. उन्होंने एक बड़ी जगह खोजने में भी हमारी मदद की." हेल को एक बड़ी जगह की सख्त ज़रुरत थी.

हेल-हाउस

फिर न्यूयॉर्क शहर के हार्लेम खंड में पश्चिम 122 वीं स्ट्रीट पर हेल को पांच मंजिला भूरे रंग का पत्थर का बना एक मकान मिला. वो बिल्डिंग पूरी तरह से जर्जर हो चुकी थी. 1975 में हेल अपने नए घर में चली गईं. उन्होंने उसे हेल-हाउस का नाम दिया.

पहली मंजिल को हेल ने प्लेरूम यानि खेल-कमरा बनाया और उसे किताबों और खिलौनों से भर दिया. प्लेरूम के बगल में एक किचन था, जिसमें अच्छा खाना पकाने का सामान रखा गया था.

दूसरी मंजिल में बच्चों का नर्सरी थी. हेल ने उस कमरे को चमकीले फूलों वाले वॉलपेपर से सजाया था. नर्सरी में ड्रग-एडिक्ट्स बच्चों के लिए नौ पालने डाले गए थे.

क्लारा हेल खुद हेल-हाउस की तीसरी मंजिल पर रहती थीं. उन्होंने अपने कमरे को झालर, पर्दों और विक्टोरियन लैंप्स से सजाया था. उनके कमरे में एक रॉकिंग चेयर (झूलने वाली कुर्सी) भी थी. हेल उसमें शिशुओं को हिलाती-डुलाती थीं और उनका दर्द काम करने की कोशिश करती थीं.

दूसरी मंजिल की नर्सरी में क्लारा हेल एक शिशु की देखभाल करती हुई.

"किसी नवजात शिशु का पालना," 'हेल ने कहा," मैं यहाँ पर चार महीने तक रखती हूँ. आमतौर पर, तब तक नशे के सब संकेत दूर हो जाते हैं, और फिर बच्चे रात में आराम से सोते हैं."

हेल के बेडरूम के बगल में एक लिविंग रूम भी है. इसमें आरामदायक नीले-सफेद सोफे, मोटे नीले आसनों के साथ-साथ और एक भव्य पियानो भी है. इस कमरे का एक विशेष उद्देश्य है - यहाँ पुराने जख्मों को भरने में मदद मिलती है.

"जब माएं आती हैं, तब बच्चे यहाँ उनसे मिलने आते हैं," हेल ने कहा. "हम चाहते हैं कि वो एक अच्छी जगह में मिलें और अच्छा महसूस करें. जब माँ-बाप अपने बच्चों की अच्छी देखभाल देखते हैं, तो वे भी उसकी नक़ल करने की कोशिश करते हैं. सभी माँ-बाप आमतौर पर अच्छे लोग होते हैं. उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में ज़रूर कोई गलती की होती है. हम सभी को अपने जीवन में गलतियां करने का हक है."

जो माता-पिता अपने बच्चों को हेल-हाउस में लाते थे, वे ड्रग-एडिक्ट्स होते हैं. ऐसी ही एक माँ थी - नैन्सी. उसका बेटा - राफेल, हेल-हाउस में रह रहा था. नैन्सी को पांच साल से ड्रग्स की लत थी. उसने ड्रग्स बेचकर और चोरी करके अपनी नशे की लत को पूरा किया था. लेकिन फिर पुलिस ने उसे पकड़ लिया. नैन्सी ने चार साल जेल में बिताए.

जब नैन्सी जेल से बाहर निकली, तो उसने फिर से ड्रग्स का इस्तेमाल शुरू कर दिया. तभी वह राफेल के साथ गर्भवती हुई. नैन्सी के बच्चे का पिता भी एक ड्रग एडिक्ट था. नैन्सी ने लगता था कि उसके बेटे को ड्रग्स की समस्या नहीं होगी.

हेल-हाउस का उद्देश्य बच्चों को उनके माता-पिता के साथ फिर से जोड़ना था. गोद देना अंतिम विकल्प था. 1984 तक, 500 से अधिक बच्चे मदर हेल की देख-रेख में आए . उनमें से केवल बारह को ही गोद दिया गया. और 1990 तक, हेल और उसके स्टाफ ने 800 से अधिक बच्चों की देखभाल की थी.

गोद देने से पहले हेल संभावित माता-पिता की जमकर जांच करती हैं. यदि माता-पिता अच्छे नहीं हैं तो वो भावी माता-पिता को ठुकरा देती थीं. "हम सोसायटी के माध्यम से बच्चों को गोद देने की व्यवस्था करते हैं," हेल ने कहा. "सबसे पहले भावी माता-पिता को यहां आना पड़ता है. मुझे अगर वो ठीक लगते हैं तभी वो मेरे बच्चों को गोद ले सकते हैं. कोई ऐरा-गैर मेरे बच्चों को गोद नहीं ले सकता है."

डॉ. लोरेन हेल, हेल-हाउस की निदेशक हैं. वो आर्थिक मामलों का ध्यान रखती हैं ताकि उनकी माँ बच्चों पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकें. 1984 में, हेल-हाउस ने 147,000 डॉलर का खर्च किया. उसमें से शहर ने उन्हें 122,000 डॉलर प्रदान किए.

कई प्रसिद्ध लोगों ने हेल हाउस का समर्थन किया. फिल्म निर्माता स्पाइक ली ने ड्रग-एडिक्ट शिशुओं को बचाने के लिए क्लारा-हेल के अभियान का समर्थन किया
और उन्हें 100,000 डॉलर का योगदान दिया.

लेकिन जब वह पैदा हुआ था, तो राफेल का हाथ कांप रहा था. आखिरकार, नैन्सी राफेल को हेल-हाउस लाई.

अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को हेल-हाउस में तब रखते हैं जब उन्हें अपनी लत के लिए कोई मदद मिलती है. जब वे ठीक होने लगते हैं, तो वे अपने बच्चों से मिलने के लिए आते हैं. हालांकि कुछ माता-पिता फिर कभी भी वापस नहीं आते हैं. इसलिए हेल को बच्चों को उन गोद (दत्तक) भी देना पड़ता है.

हेल-हाउस को बकाया पैसा दान में मिला. उनका एक प्रसिद्ध समर्थक पूर्व बीटल जॉन लेनन थे. उन्होंने हेल हाउस को खुला रखने के लिए दिल खोलकर पैसा दान में दिया. फिर भी, वहाँ पैसों की हमेशा किल्लत ही रहती थी.

"हम हमेशा गरीबी की हालत में ही रहते हैं," लोरेन हेल ने कहा."हमारे सभी कर्मचारी एक सप्ताह में सिर्फ 175 डॉलर का कम वेतन ही पाते हैं. वे अपने समर्पण के कारण ही यहाँ पर काम करते हैं."

शहर के अधिकारियों ने हेल-हाउस को एक बार में केवल 15 बच्चों की देखभाल करने की अनुमति दी. इसलिए वहां हमेशा प्रतीक्षा-सूची बनी रहती थी. अक्सर, 30 या अधिक बच्चे वेटिंग-लिस्ट में होते थे.

जबकि हेल बच्चों की देखभाल करती थीं तब उनके माता-पिता इलाज के एक उपचार कार्यक्रम से गुजरते थे जो लगभग 18 महीने तक चलता था. लोरेन हेल ने कहा, "कई उपचार कार्यक्रम अच्छे नहीं होते हैं. लेकिन हम अपने कार्यक्रम से खुश हैं. हमारे पास आने के बाद कोई भी मां ड्रग्स में वापस नहीं गई."

हेल के कार्यक्रम ने बच्चों के लिए भी काम किया. जो बच्चे हेल हाउस में बेबी-एडिक्ट के रूप में आए थे, उन्होंने बड़े होकर ड्रग्स का कभी सेवन नहीं किया. लेकिन सब खबर अच्छी नहीं थी. वही बच्चे स्कूल में अच्छा नहीं करते थे. माँ द्वारा दी गई नशे की लत ने उनकी सीखने की क्षमता को प्रभावित किया था. हेल और उनके स्टाफ ने बच्चों को यह कभी नहीं बताया कि वे ड्रग्स-एडिक्ट्स के बच्चे थे. उन्हें लगा कि इस भयानक खबर से बच्चों की आत्म-छवि खराब होगी.

हालाँकि क्लारा हेल का अपने बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव था, लेकिन उन्हें जाते हुए देखकर वह कभी दुखी नहीं हुईं. "इसमें दुखी होने की कोई बात नहीं है. जब कोई बच्चा हेल-हाउस छोड़ता है, तो उससे पहले कोई नया बच्चा वहां आ जाता है," उन्होंने कहा. "इसलिए मुझे उस बच्चे के बारे में चिंता करने का समय ही नहीं मिलता है. इसके अलावा, मैं शुरू से यह जानती हूँ कि वो बच्चा मेरा नहीं है. भगवान की मुझ पर अपार कृपा है. उसने मुझे एक बेटा और एक बेटी दिए हैं. इसलिए मुझे चिंता की कोई बात नहीं है. फिर भी मेरे पास बच्चे ही बच्चे हैं."

हेल ने अपना ज्यादातर समय अपने बच्चों को दिया. लेकिन उसने कभी शिकायत नहीं की. "मेरे पास उन्हें देने के लिए प्यार के अलावा कुछ नहीं है," उन्होंने कहा. "प्यार देने से मुझे खुशी मिलती है. और जब वे वापस आते हैं, वे बड़े होकर नेक और अच्छे बने है यह देख कर मुझे वास्तव में ख़ुशी होती है. मेरा जीवन पूरी तरह प्रेम से भरा है. यकीन करो, मुझे कोई पछतावा नहीं है.”

सालों तक हेल ने अपने बच्चों की सम्पूर्ण देखभाल के लिए कड़ी मेहनत की. धीरे-धीरे, उनके उत्कृष्ट प्रयासों को पहचान मिली, और मान-सम्मान भी. 1985 में, राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने उन्हें एक सच्चे अमेरिकी-हीरो का ख़िताब दिया.

क्लारा हेल ने हेल-हाउस के लिए शहर और संघीय समर्थन जुटाने के लिए कड़ी मेहनत की. यहां संघीय कोष में से उन्हें 11 लाख डॉलर का चेक मिला.
उनके साथ सीनेटर अल्फोंस डी.'आटो, उनकी बेटी लोरेन हेल और न्यूयॉर्क के प्रतिनिधि चार्ल्स रंगेल हैं.

हेल हाउस होमवर्ड बाउंड

उसी वर्ष हेल ने एक नया कार्यक्रम शुरू किया, जिसे हेल हाउस होमवर्ड बाउंड बुलाया गया. होमवार्ड बाउंड कार्यक्रम में 35 अपार्टमेंट के साथ एक नया 20 लाख डॉलर के आवास-विकास का कार्यक्रम भी जुड़ा था. यह कार्यक्रम उन युवतियों के लिए था, जिन्होंने ड्रग रिहैबिलिटेशन सेंटरों में इलाज पूरा कर लिया था और अब अपने जीवन को एक नया मोड़ देने की कोशिश कर रही थीं.

जनवरी 1990 में, हेल हाउस होमवर्ड बाउंड कार्यक्रम को एक प्रसिद्ध स्वयंसेवक की मदद मिली. न्यूयॉर्क शहर में हेल्मस्ले पैलेस होटल की मालकिन लीना हेल्मस्ले को टैक्स में धोखा देने का दोषी पाया गया. सजा के रूप में, उन्हें इस कार्यक्रम में 750 घंटे सामुदायिक सेवा करनी थी.

हेल ने हेल्मस्ले की मदद का स्वागत किया.उन्हें लगा कि हेल्मस्ले जैसी प्रसिद्ध महिला का जरूरतमंद महिलाओं के साथ काम करना एक अद्भुत विचार था.

हेल को यह भी लगा कि हेम्सले महिलाओं को होटल व्यवसाय के बारे में सिखा सकतीं थीं और उन्हें नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकती थीं.

आमीन

12 फरवरी 1990 को, हेल एनबीसी-टीवी शो "आमीन" पर एक विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुईं. 'द टैलेंट शो' नाम के शो में, क्लिफ्टन डेविस द्वारा अभिनीत, रेवरेंड ग्रेगरी ने चर्च के वार्षिक चैरिटी रिव्यू में स्टेज पर मदर हेल का स्वागत किया. ग्रेगरी ने "यू आर माई चाइल्ड" गाया और तभी हेल-हाउस के बारे में एक फिल्म भी दिखाई गई. ग्रेगोरी ने घोषणा की कि उस टैलेंट-शो से मिला सारा धन हेल-हाउस को दान में दिया जायेगा.

टैलेंट-शो में हेल की उपस्थित, कार्यकारी निर्माता एड वेनबर्गर और श्रृंखला स्टार अन्ना मारिया हॉर्सफोर्ड का विचार था. हॉर्सफोर्ड ने वेनबर्गर को, हार्लेम में क्लारा हेल के अद्भुत काम के बारे में बताया था. उससे वेनबर्गर बहुत प्रभावित हुए. उन्होंने हेल-हाउस को दान देने का फैसला किया और क्लारा हेल को शो में आने के लिए आमंत्रित किया. हेल की उपस्थिति से शो को बहुत प्रसिद्धि मिली.

कई अन्य प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण लोगों ने भी क्लारा हेल का समर्थन किया.
यहाँ वह पूर्व अमेरिकी सर्जन जनरल सी. एवरेट कोप (बाएं) और सीनेटर अल्फोंस डी'माटो के साथ खड़ी हैं.

संदेह में भविष्य

शायद हेल-हाउस का भविष्य कभी भी उज्जवल नहीं था. लेकिन 1990 में, एक काला बादल अचानक हेल-हाउस पर छा गया. सिटी-हॉल ने हेल-हाउस को बंद करने का फैसला किया. कल्याण अधिकारियों ने कहा कि ड्रग-एडिक्ट्स के शिशुओं के लिए अब पर्याप्त पालक घर मौजूद थे. उनके अनुसार हेल-हाउस जैसी नर्सरी चलाने वाली एजेंसी की अब जरूरत ही नहीं थी. लोगों ने यह भी महसूस किया कि छोटे बच्चों को पालने के लिए पालक घर ही सबसे अच्छी जगह थे. कई बाल-विशेषज्ञों ने इससे अपनी सहमति व्यक्त की थी.

लेकिन क्लारा हेल का मत उनसे भिन्न था. "मैं जल्दी हथियार डालने वाली नहीं हूं," उन्होंने कहा. ये भगवान के बच्चे हैं और मैं यहाँ पर उनकी देखभाल करूंगी." 'हेल ने यह मानने से इंकार किया कि उनके काम की अब कोई ज़रूरत और मूल्य नहीं बचा था.

शहर के अधिकारियों ने ड्रग-एडिक्ट्स शिशुओं को अब हेल-हाउस में भेजना बंद कर दिया. फिर हेल-हाउस में सिर्फ दस बच्चे ही बचे, जो अपने रिश्तेदारों या माँ-बाप के वापस आने का इंतज़ार कर रहे थे. भविष्य, संदेह में होने के कारण अब हेल ने सीधे अपने समर्थकों की ओर रुख किया.

हेल-हाउस ने एक इमरजेंसी डायरेक्ट-मेल फंड शुरू किया. उन्होंने कारों के पीछे चिपकाने के लिए एक लाख बम्पर स्टिकर छपवाए. "शहरी अधिकारी कहते हैं न. हम कहते हैं हां! हेल-हाउस का समर्थन करो." उसके तुरंत बाद लोगों ने निजी दान भेजना शुरू कर दिए.

जब हेल सिटी हॉल से खिलाफ संघर्ष कर रही थीं, तब 100 अश्वेत महिलाओं (NCBW) के राष्ट्रीय गठबंधन ने उन्हें सम्मानित किया. गठबंधन ने हेल को कैंडेस (उच्चारण कैन-डी-से) पुरस्कार से सम्मानित किया. इस पुरस्कार का नाम प्राचीन इथियोपिया की महारानी के नाम पर रखा गया था. हर साल, यह पुरुस्कार 10 उत्कृष्ट अश्वेत अमेरिकियों को दिया जाता है. यह पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे चरित्र और महान व्यक्तिगत काम करने वाले लोगों को सम्मानित करता है.

डर

हेल अपने बच्चों के साथ व्यस्त रहती थीं. उन्होंने 14 साल के लड़के-लड़कियों के समूह से बातचीत करने के लिए समय निकाला. इन बच्चों पर ड्रग-संबंधी आरोपों में कोर्ट केस चल रहे थे.

किशोर न्याय विभाग ने हेल के साथ इन बच्चों की मीटिंग आयोजित की. विभाग ने आशा व्यक्त की थी कि युवा कैदियों को यह देखने से फायदा होगा कि ड्रग्स आखिरकार छोटे मासूम बच्चों के शरीर में कहाँ जाती हैं और उन्हें क्या नुक्सान पहुंचाती हैं.

हेल ने उन युवा लोगों से साफ़-साफ़ बात की और उनका उत्साह बढ़ाया. उन्हें उम्मीद थी कि बातचीत के बाद बच्चे खुद अपने बारे में अच्छा महसूस करेंगे. तभी शायद वह ड्रग्स,अपराध और निराशा के चक्र से छुड़ाने में उनकी मदद कर सकती थीं.

प्रेजिडेंट रोनाल्ड रीगन ने उनके निष्ठावान काम के लिए हेल का सम्मान किया. हेल के दाएं ओर नैंसी रीगन खड़ी हैं.

"आप अश्वेत हैं, आप इस बात पर गर्व करें," हेल ने समूह से कहा. "हम एक महान लोग हैं." फिर हेल ने समूह में सबको साथ आने के लिए प्रोत्साहित किया. "किसी से नफरत मत करो," उन्होंने नसीहत दी.

अप्रैल 1991 तक, हेल-हाउस को देश भर के लोगों से योगदान में हजारों डॉलर मिले. शहर के 250 चर्चों के ने भी उन्हें धन दिया. उससे क्लारा हेल बहुत खुश हुईं.

"भगवान ने मुझे इन बच्चों की देखभाल करने की जिम्मेदारी दी है," उन्होंने कहा. "और अब हम उनकी पहले से भी बेहतर सेवा कर पाएंगे."

हेल-हाउस का काम दुबारा शुरू हुआ. 1992 तक, हेल और उनके स्टाफ ने 1,000 से अधिक ड्रग-एडिक्ट शिशुओं का पालन-पोषण किया था.

नवंबर में, क्लारा हेल को मामूली पक्षाघात हुआ. 18 दिसंबर, 1992 को अचानक तब वह ठीक हो रही थीं, तब स्ट्रोक से उनकी मृत्यु हो गई. तब वो 87 वर्ष की थीं.

क्लारा "मदर" हेल, हेल-हाउस की संस्थापक न्यू-यॉर्क में एक बच्चे को उठाए हैं. सरकार ने ऐड्स के बच्चों की देखरेख के लिए पहला राष्ट्रीय इन-हाउस कार्यक्रम शुरू किया.

क्लारा हेल की विरासत

हेल की मृत्यु के साथ, दुनिया ने एक असाधारण देखभाल और प्यार करने वाले इंसान को खो दिया. लेकिन उनके पोषण और उपचार के तरीके हेल-हाउस में अभी भी कायम हैं जिसका नाम अभी भी उनके नाम पर है. हेल-हाउस की सफलता ने दुनिया को दिखाया कि प्यार और समझ से सबसे गंभीर समस्याओं तक को भी दूर किया जा सकता है - ड्रग-एडिक्शन को भी. इससे भी अधिक, हेल-हाउस ने उन लोगों में आशा और खुशी बहाल की जिनका जीवन पूरी तरह निराशा से भरा था.

जैसा कि नैन्सी, एक माँ और ठीक होने वाली ड्रग-एडिक्ट ने कहा: "मदर हेल मेरे जीवन में आईं यह मेरे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण बात है. उन्होंने मुझे और राफेल को इंसान बनने का मौका दिया."

हम सभी को क्लारा हेल ने रास्ता दिखाया. इसके लिए उनका धन्यवाद दिया.